CORDOVA® App 24X7 For Teachers Only

FREE SMART CLASS SOFTWARE WITH WEB SUPPORT

FOR TEACHERS ONLY

नव भारती

हिंदी पाठमाला

3

Scanned with CamScanner

विषय-सूची

	पाठ का नाम	विधा	पृष्ठ संख्या
1.	उठो लाल	कविता	9
2.	जैसा सवाल वैसा जवाब	चित्रकथा	13
3.	आदतों की जड़	शिक्षाप्रद कहानी	19
4.	नाना-नानी जी के नाम	कविता	24
5.	खेल और सेहत	स्वास्थ्य पर आधारित लेख	28
	केवल पढ़ने के लिए (आया एक सपना)		34
6.	जेबख़र्च	चीनी लोककथा	36
7.	एना की किताब	प्रेरक कहानी	41
8.	चाँद का कुरता	कविता	46
	केवल पढ़ने के लिए (निराली पोशाक)		51

Scanned with CamScanner

भाषा की योग्यता और कौशल

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	लिखना	गतिविधियाँ	संदेश
1.	कविता का लयबद्ध गान, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण, श्रुतलेख तथा प्रश्नोत्तर।	पंक्तियाँ पूरी करना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, समानार्थक शब्द में ✓ निशान लगाना, समान तुक वाले शब्द लिखना तथा बहुवचन रूप लिखना।	कामों के बारे में एक-दूसरे को बताना तथा विषयानुसार कामों की सूची बनाना।	हमें सुबह जल्दी उठना चाहिए।
2.	चित्रकथा का पठन-पाठन, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण, श्रुतलेख तथा प्रश्नोत्तर।	पहले क्या हुआ?, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, विलोम शब्द में ✓ निशान लगाना तथा नए शब्द बनाना।	हिंदी अंकों में उत्तर देना, रंगों के नाम का पता लगाना तथा विषयानुसार बताना।	जैसा सवाल होता है वैसा ही उसका जवाब भी होता है।
3.	कहानी को प्रभावशाली ढंग से सुनाना, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण, श्रुतलेख तथा प्रश्नोत्तर।	✓ या ✗ निशान लगाना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, 'ई' जोड़कर शब्द बनाना, संज्ञा शब्द छाँटकर लिखना तथा मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य-प्रयोग करना।	ये भी जानें, अच्छी व बुरी आदतों के बारे में बताना व बुरी आदतों को सुधारने के तरीके बताना तथा शब्दों की लड़ी पूरी करना।	शुरुआत में ही अपनी बुरी आदतों को छोड़ देना चाहिए।
4.	कविता का प्रभावशाली ढंग से वाचन, कविता कंठस्थ करना, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण, श्रुतलेख तथा प्रश्नोत्तर।	प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, शब्दों के लिंग में ✓ निशान लगाना, जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखना तथा मात्रा से बने शब्द लिखना।	ग्रीटिंग कार्ड बनाना, अनुच्छेद-लेखन तथा चार्ट पेपर पर तसवीर चिपकाकर नाम लिखना।	छुट्टियों में नाना-नानी के घर खूब मस्ती करते हैं।
5.	स्वास्थ्य संबंधी लेख का पठन-पाठन, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण, श्रुतलेख तथा प्रश्नोत्तर।	खाली जगह भरिए, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, विराम-चिह्न का प्रयोग तथा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखना।	ये भी जानें, सुनिए और बताइए, पार्क में खेले जाने वाले खेलों के नाम लिखना तथा करने और न करने वाले कामों के बारे में लिखना।	अच्छी सेहत के लिए खेल-कूद भी जरूरी है।
6.	लोककथा को प्रभावशाली ढंग से सुनाना, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण, श्रुतलेख तथा प्रश्नोत्तर।	प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, द्वित्व व्यंजन से बने शब्द लिखना तथा सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखना।	प्रश्न का हल तथा चित्र के आधार पर लिखना।	हमें बचत करनी चाहिए न कि फ़िज़ूलखर्च।
7.	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण, श्रुतलेख तथा प्रश्नोत्तर।	प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, 'का, की, के' का प्रयोग, विशेषण शब्द रेखांकित करके लिखना तथा विशेषण व संज्ञा का मिलान करना।	सुनिए और बताइए, सूची तैयार करना तथा विषयानुसार बताना।	किताबें हमें पढ़ना-लिखना और अच्छी-अच्छी बातें सिखाती हैं।
8.	कविता का प्रभावशाली ढंग से वाचन, कविता कंठस्थ करना, कल्पना करना, शब्दार्थ, शुद्ध उच्चारण, श्रुतलेख तथा प्रश्नोत्तर।	पंक्तियाँ पूरी करना, प्रश्नों के उत्तर देना, पाठ से आगे, समान तुक वाले शब्द लिखना, क्रिया शब्दों पर ✓ निशान लगाना तथा क्रिया शब्दों से खाली जगह भरना।	कल्पना के आधार पर बताना, लयबद्ध गान तथा खोजबीन।	चाँद के घटते-बढ़ते रूप को समझना।

Scanned with CamScanner

शिक्षक के लिए

- दिए गए चित्रों पर आधारित बच्चों से चर्चा कीजिए।
- बच्चों को बताएँ कि पशु-पक्षी भी हमारे मित्र होते हैं अतः हमें उन्हें सताना नहीं चाहिए, बल्कि उनकी देखभाल करनी चाहिए।

Scanned with CamScanner

उठो लाल

(कविता)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस कविता का रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से लयबद्ध गान करेंगे।

उठो **लाल** अब आँखें खोलो,
पानी लाई हूँ, मुँह धोलो,
बीती रात कमल-**दल** फूले,
उनके ऊपर **भौंरे** झूले।

चिड़िया चहक उठी पेड़ों पर,
बहने लगी हवा अति **सुंदर**,
नभ में न्यारी **लाली** छाई,
धरती ने प्यारी **छवि** पाई।

भोर हुआ सूरज उग आया,
जल में पड़ी **सुनहरी** छाया,
ऐसा सुंदर समय न खोओ,
मेरे प्यारे अब मत सोओ।

–अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

संदेश: हमें सुबह जल्दी उठना चाहिए।

शिक्षक के लिए

- बच्चों से अभिनय के साथ इस कविता का लयबद्ध गान कराएँ।
- बातचीत की शैली में बच्चों से छोटे-छोटे प्रश्न पूछें; जैसे– आप सुबह कब उठते हैं? सुबह का दृश्य कैसा लगता है? सूरज कब निकलता है?

Scanned with CamScanner

शब्द-अर्थ

सुंदर – खूबसूरत	भौंरे – भँवरे	दल – समूह
भोर – सुबह	लाली – लालिमा	छवि – शोभा
लाल – पुत्र	सुनहरी – सोने के रंग की	नभ – आसमान

वाचन/श्रुतलेख– मुँह, भौंरे, न्यारी, छवि, भोर, सुनहरी, नभ, सुंदर।

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) आप सुबह कितने बजे उठते हैं?

(ख) आप सुबह खुद उठते हैं या आपकी माँ उठाती हैं?

(ग) आपको सुबह उठकर कैसा लगता है?

लिखित

1. दी गई कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

चिड़िया चहक ....,

.... हवा अति सुंदर,

नभ में न्यारी ....,

.... छवि पाई।

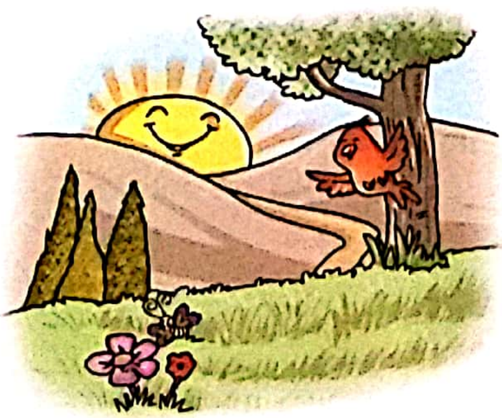

Scanned with CamScanner

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–

(क) कविता में कौन, किसे उठा रहा है? ....

(ख) कमल-दल पर कौन झूले? ....

(ग) लाली किसमें छाई है? ....

(घ) धरती ने कैसी छवि पाई है? ....

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सुबह होने पर चिड़िया और हवा क्या कर रही हैं?

(ख) सूरज कब उगा और उसकी सुनहरी छाया किसमें पड़ी?

(ग) कविता में सुबह के समय को कैसा बताया गया है और क्यों?

पाठ से आगे

कल्पना कीजिए

(क) यदि सुबह सूरज न निकले, तो क्या होगा?

(ख) सुबह चिड़ियाँ क्यों चहकती होंगी?

भाषा की दुनिया | समानार्थक शब्द, समान तुक वाले शब्द, वचन

1. समान अर्थ बताने वाले शब्दों को **समानार्थक शब्द** कहते हैं; जैसे– पुत्र-बेटा, लड़का।

दिए गए शब्दों के समानार्थक शब्द में ✓ निशान लगाइए–

पानी	–	नदी	☐	जल	☐	शाम	☐
सूरज	–	तारे	☐	चाँद	☐	सूर्य	☐
नभ	–	आकाश	☐	बादल	☐	मेघ	☐
हवा	–	सुबह	☐	वायु	☐	नीर	☐
धरती	–	भूमि	☐	पत्ता	☐	मिट्टी	☐

Scanned with CamScanner

2. **'पानी-नानी'** ऐसे शब्दों को **समान तुक** वाले शब्द कहते हैं। **अब आप दिए गए शब्दों के समान तुक वाले शब्द कविता में से ढूँढ़कर लिखिए–**

खोलो – .... आया – ....

फूले – .... खोओ – ....

छाई – .... न्यारी – ....

3. शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चले, उसे **वचन** कहते हैं; जैसे– **एकवचन** – लड़का, नदी। **बहुवचन** – लड़के, नदियाँ।

दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

भौंरा – .... चिड़िया – ....

आँख – .... कविता – ....

झूला – .... हवा – ....

रचनात्मक

आओ कुछ नया करें

- सुबह उठकर आप क्या-क्या करते हैं? कक्षा में एक-दूसरे को बताइए।
- आप किस काम के लिए तुरंत जाग जाएँगे और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करेंगे? सूची बनाइए–

जागेंगे **नहीं जागेंगे**

जागेंगे	नहीं जागेंगे
....	....
....	....
....	....
....	....

2 जैसा सवाल वैसा जवाब

(चित्रकथा)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस चित्रकथा का रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से अध्ययन करेंगे।

रामदिन नाम के आदमी ने कपड़े रँगने की एक दुकान खोली और गाँववालों के लिए कपड़े रँगने शुरू कर दिए।

गाँव के सभी लोग उसके काम की बहुत तारीफ़ करते।

रामदिन की मेहनत और लगन के कारण उसकी दुकान खूब चलने लगी। दूर-दूर से लोग कपड़े रँगवाने के लिए आते थे।

उसी गाँव में शेरसिंह नाम का भी एक आदमी रहता था। उसे रामदिन की तारीफ़ सुनकर जलन होती।

एक दिन शेरसिंह रामदिन की दुकान पर जा पहुँचा और अकड़कर बोला–

सोचिए और बताइए– अब रामदिन किस रंग में कपड़ा रँगेगा?

रामदिन समझ गया था कि शेरसिंह उसे परेशान करना चाहता है। इसलिए सारे रंगों को नापसंद कह दिया।

शेरसिंह ने खुश होते हुए पूछा–

शेरसिंह समझ गया कि उसकी **चाल उलटी पड़** चुकी है। यह सोचकर वह मन–ही–मन बोला–

इसके बाद शेरसिंह ने रामदिन की दुकान में दोबारा घुसने की **हिम्मत** नहीं की।

संदेश: जैसा सवाल होता है वैसा ही उसका जवाब भी होता है।

शब्द-अर्थ

अकड़कर	– घमंड से भरकर	**खास**	– विशेष	**लगन**	– काम में ध्यान लगाना
भलाई	– अच्छाई	**हिम्मत**	– साहस	**गुणगान**	– किसी के गुणों को बताना

चाल उलटी पड़ना – अपने षड्यंत्र में खुद ही फँसना

वाचन/श्रुतलेख– रँगना, मुकाबला, हिम्मत, गुणगान, शुक्रवार, बृहस्पतिवार।

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) रामदिन कैसा आदमी था?

(ख) यदि कोई आपसे पूछे कि आसमान में कितने तारे हैं, तो आप क्या जवाब देंगे?

लिखित

1. **चित्रकथा में पहले क्या हुआ? सही क्रम लिखकर बताइए–**

– शेरसिंह रामदिन की दुकान से खिसक लिया। ☐

– शेरसिंह को रामदिन से जलन होने लगी। ☐

– रामदिन ने कपड़े रँगने की दुकान खोली। [1]

– शेरसिंह समझ गया कि उसकी चाल उलटी पड़ चुकी है। ☐

– शेरसिंह रामदिन की दुकान पर जा पहुँचा। ☐

Scanned with CamScanner

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–

(क) कपड़े रँगने का काम कौन करता था? ....

(ख) रामदिन से किसको जलन होने लगी? ....

(ग) शेरसिंह रामदिन को क्या सिखाना चाहता था? ....

(घ) किसकी चाल उलटी पड़ गई? ....

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) रामदिन की तारीफ़ में लोग क्या-क्या कहते थे?

(ख) शेरसिंह रामदिन को सबक क्यों सिखाना चाहता था?

(ग) रामदिन ने शेरसिंह से किस दिन कपड़ा ले जाने के लिए कहा?

पाठ से आगे

कल्पना कीजिए

- यदि रामदिन कपड़े सिलने की दुकान खोलता, तो वह अपनी दुकान में कौन-कौन-सी चीज़ें रखता?

भाषा की दुनिया

विलोम शब्द, नए शब्द

1. उलटे अर्थ बताने वाले शब्दों को **विलोम शब्द** कहते हैं; जैसे– सच-झूठ, आगे-पीछे।

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द में ✓ निशान लगाइए–

भलाई	–	भला	☐	बुराई	☐	अच्छाई	☐
पसंद	–	झूठा	☐	अच्छा	☐	नापसंद	☐
दिन	–	रात	☐	सुबह	☐	शाम	☐
पक्का	–	मेहनती	☐	मज़बूत	☐	कच्चा	☐

Scanned with CamScanner

2. 'रँगाई' शब्द 'रंग' से बना है। इसी तरह, दिए गए शब्दों से नए शब्द बनाइए–

बुन – ....   चढ़ – ....

साफ़ – ....   पढ़ – ....

भला – ....   चतुर – ....

रचनात्मक

आओ कुछ नया करें

- क्या आप जानते हैं कि हिंदी में अंकों को अलग तरह से लिखते हैं, जो इस प्रकार हैं–

  १ (1), २ (2), ३ (3), ४ (4), ५ (5), ६ (6), ७ (7), ८ (8), ९ (9), १० (10), ११ (11), १२ (12), १३ (13), १४ (14), १५ (15), १६ (16), १७ (17), १८ (18), १९ (19), २० (20)

  अब आप दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिंदी अंकों में दीजिए–

  (क) एक सप्ताह में कितने दिन होते हैं? ☐

  (ख) एक वर्ष में कितने महीने होते हैं? ☐

सोचिए

- सोहन ने आसमानी रंग की कमीज़ पहनी है। 'आसमानी' रंग का नाम कैसे बना होगा? सोचिए..........! 'आसमानी' रंग का नाम आसमान के नाम से बना होगा।

  ऐसे ही कोई तीन रंगों के नाम लिखिए जो किसी चीज़ के नाम से बने होंगे–

  ....

- अंत में जब शेरसिंह रामदिन की दुकान से वापस लौट रहा होगा, तब वह क्या-क्या सोच रहा होगा? बताइए।

Scanned with CamScanner

3 आदतों की जड़

(शिक्षाप्रद कहानी)

कक्षा में **स्मार्ट बोर्ड** पर **कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर** का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस पाठ को रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से पढ़ेंगे।

एक गाँव में एक धनी आदमी रहता था। वह अपने बेटे श्यामू की बुरी आदतों से बहुत परेशान था। वह जब भी अपने बेटे श्यामू से बुरी आदतों को छोड़ने के लिए कहता तो एक ही जवाब मिलता, "पिता जी! अभी मैं छोटा हूँ। बड़ा होते ही सारी बुरी आदतें छोड़ दूँगा।" इस तरह वह बुरी आदतों को छोड़ने की **कोशिश** नहीं करता था।

उन्हीं दिनों उस गाँव में एक महात्मा आए हुए थे। वे अपनी **सूझ-बूझ** के लिए **प्रसिद्ध** थे। जब धनी आदमी को महात्मा के बारे में पता चला तो वह महात्मा के पास गया और उन्हें अपने बेटे की बुरी आदतों के बारे में बताया।

महात्मा ने कहा, "अपने बेटे को कल मेरे पास लेकर आना।"

अगली सुबह धनी आदमी अपने बेटे के साथ महात्मा के पास पहुँच गया।

सोचिए और बताइए– श्यामू की बुरी आदतों को सुधारने के लिए महात्मा क्या करेंगे?

शिक्षक के लिए

- बच्चों को बताएँ कि हमें अच्छे लोगों के साथ रहना चाहिए। उनकी अच्छी आदतों को अपनाना चाहिए।
- उनसे बातचीत की शैली में छोटे-छोटे प्रश्न पूछें; जैसे- आप अच्छे बच्चे बनना चाहते हैं या बुरे? क्या आपके अंदर भी कोई बुरी आदत है? अपने मित्र की किसी बुरी आदत को सुधारने के लिए आप क्या करेंगे?

Scanned with CamScanner

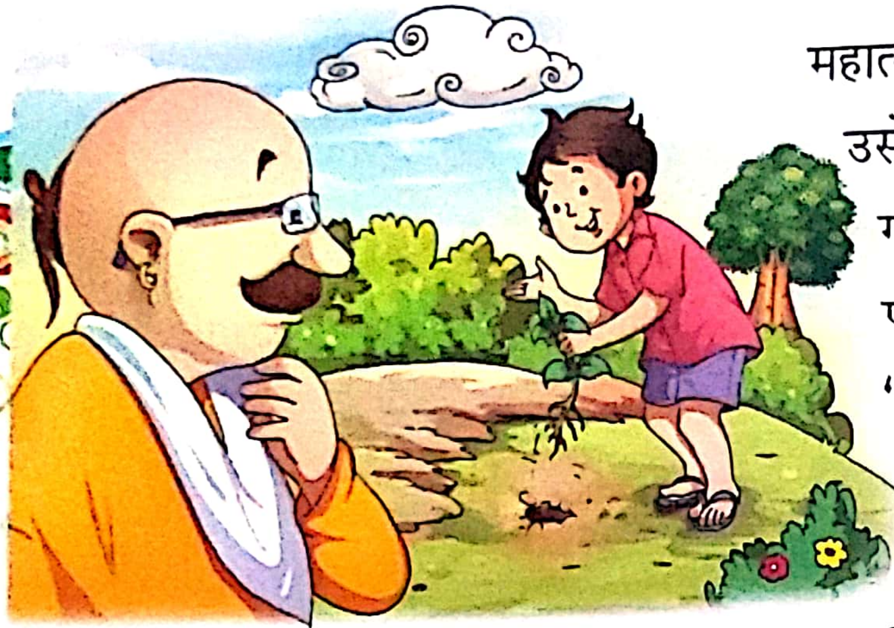

महात्मा ने श्यामू से कुछ बातें कीं, फिर उसे एक बगीचे में घुमाने के लिए ले गए। एक जगह पर रुके और नन्हें-से पौधे की ओर **इशारा** करते हुए बोले, "बेटा, इस पौधे को उखाड़ दो।" श्यामू ने पौधे को बड़ी आसानी से उखाड़ दिया। पौधा बहुत ही छोटा था इसलिए उसे उखाड़ने में ज़्यादा **ताकत** नहीं लगानी पड़ी। फिर महात्मा ने उसे ज़रा बड़ा-सा पौधा उखाड़ने के लिए कहा। श्यामू ने थोड़ा ज़ोर लगाया और उसे भी जड़ के साथ उखाड़ दिया। अब महात्मा ने एक झाड़ी की तरफ़ इशारा किया और कहा, "अब उसे उखाड़ो।" श्यामू ने अपनी सारी ताकत लगाकर उस झाड़ी को भी उखाड़ दिया।

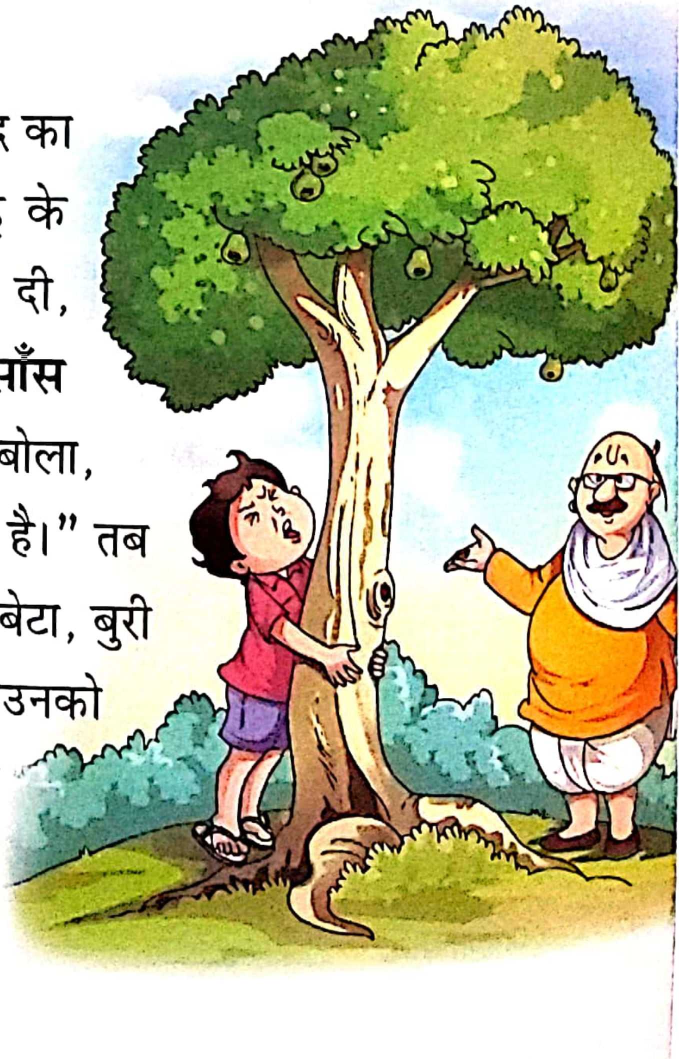

अंत में महात्मा ने श्यामू को एक अमरूद का पेड़ उखाड़ने के लिए कहा। श्यामू ने पेड़ के तने को पकड़कर अपनी सारी ताकत लगा दी, परंतु पेड़ **टस से मस नहीं हुआ**। उसकी **साँस फूल** गई। वह हाँफते हुए महात्मा से बोला, "महाराज! इस पेड़ को उखाड़ना **असंभव** है।" तब महात्मा ने श्यामू को समझाते हुए कहा, "बेटा, बुरी आदतों की भी यही **दशा** होती है। शुरू में उनको उखाड़ फेंकना **आसान** होता है परंतु जब उनकी जड़ें फैल जाती हैं, तो फिर उन्हें पूरी

ताकत से उखाड़ने की कोशिश करने पर भी नहीं उखाड़ा जा सकता। इसलिए तुम अभी से अपनी बुरी आदतों को छोड़ दो।"

श्यामू के मन में महात्मा की बात बैठ गई। उसने अपनी बुरी आदतों को उसी दिन से सुधारना शुरू कर दिया, जिससे उसकी बुरी आदतें धीरे-धीरे जाती रहीं।

संदेश: शुरुआत में ही अपनी बुरी आदतों को छोड़ देना चाहिए।

शब्द-अर्थ

प्रसिद्ध	मशहूर	**सूझ-बूझ**	समझदारी	**ताकत**	शक्ति
आसान	सरल	**कोशिश**	प्रयास	**इशारा**	संकेत
दशा	हालत	**असंभव**	जो काम हो नहीं सकता		
साँस फूलना	बहुत थक जाना	**टस से मस न होना**	ज़रा-सा भी न हिलना		

वाचन/श्रुतलेख– प्रसिद्ध, महात्मा, झाड़ी, उखाड़ना, कोशिश, सुधारना।

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) धनी आदमी किससे परेशान था?

(ख) महात्मा क्यों प्रसिद्ध थे?

(ग) धनी आदमी अपने बेटे को लेकर महात्मा के पास क्यों गया?

Scanned with CamScanner

लिखित

1. **दिए गए वाक्यों में ✓ या ✗ का निशान लगाइए–**

(क) धनी आदमी के बेटे श्यामू में बुरी आदतें थीं। ☐

(ख) श्यामू ने अमरूद का पेड़ उखाड़ दिया। ☐

(ग) बुरी आदतों को शुरू में उखाड़ फेंकना आसान होता है। ☐

2. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–**

(क) श्यामू किसको छोड़ने की कोशिश नहीं करता था? ....

(ख) धनी आदमी अपने बेटे को लेकर किसके पास गया? ....

(ग) महात्मा श्यामू को कहाँ घुमाने ले गए? ....

3. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) श्यामू अमरूद का पेड़ क्यों नहीं उखाड़ पाया?

(ख) अंत में महात्मा ने श्यामू को क्या समझाया?

(ग) महात्मा की सीख भरी बातें सुनने के बाद श्यामू ने क्या किया?

पाठ से आगे

आपकी सोच-समझ

- अच्छा इनसान बनने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?

भाषा की दुनिया — नए शब्द, संज्ञा शब्द, मुहावरे

1. **सोचिए, समझिए और 'ई' की मात्रा जोड़कर नए शब्द बनाइए–**

पुत्र –	......पुत्री......	बुरा –	......बुरी......
आसान –	....	छोटा –	....
धन –	....	बेटा –	....

Scanned with CamScanner

2. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को **संज्ञा** कहते हैं; जैसे– ताजमहल, करीना, शेर, ठंडक। **दिए गए वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर अलग लिखिए–**

(क) श्यामू को कल लेकर आना। ....

(ख) पिता जी, मैं अभी छोटा हूँ। ....

(ग) उस झाड़ी को उखाड़ो। ....

(घ) महात्मा बहुत बुद्धिमान थे। ....

(ङ) उसने पौधे को उखाड़ दिया। ....

3. **दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य-प्रयोग कीजिए–**

(क) टस से मस न होना – ....

....

(ख) साँस फूलना – ....

....

रचनात्मक

ये भी जानें

- इन शब्दों को ऐसे भी लिख सकते हैं– **प्रसिद्ध** – प्रसिद्ध **असंभव** – असम्भव

आओ कुछ नया करें

- आपके अंदर कौन-कौन-सी अच्छी आदतें हैं और कौन-कौन-सी बुरी आदतें हैं? साथ में यह भी बताइए कि अपनी बुरी आदतों को सुधारने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?

शब्द-लड़ी

- शब्द के आख़िरी अक्षर से नया शब्द बनाइए और शब्दों की लड़ी को आगे बढ़ाइए–

....ताकत.... → ......तना...... → .... → .... →

.... → .... → .... → ....

Scanned with CamScanner

4

नाना-नानी जी के नाम

(कविता)

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर का प्रयोग करें, जिसके माध्यम से बच्चे इस कविता का रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से लयबद्ध गान करेंगे।

ऊधम करूँ पर रोक न एक,
तनिक किसी की टोक न एक।
झिलमिल करती बाग में **घाम**,
सुबह सुनहरी चहके शाम।
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ,
नाना-नानी जी के नाम।

मामी **पकवान** बनाएँ एक,
नानी **कथा** सुनाएँ एक।
दिनभर **गपशप** और आराम,
मम्मी जी का बस यह काम।
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ,
नाना-नानी जी के नाम।

गरम कचौड़ी सुबह को एक,
दूध-जलेबी पहले एक।
थोड़े जामुन, ज़्यादा आम,
काले-काले **पीत ललाम**।
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ,
नाना-नानी जी के नाम।

शिक्षक के लिए

- बच्चों को लयबद्ध ढंग से कविता दोहराने के लिए कहें।
- बच्चों से बातचीत की शैली में छोटे-छोटे प्रश्न पूछें; जैसे- आपके नाना-नानी कहाँ रहते हैं? नाना-नानी के घर रहना आपको कैसा लगता है?
- बच्चों को अपने नाना-नानी और दादा-दादी के बारे में बताने के लिए प्रेरित करें।

चिढ़ाते रहते मामा एक,
फुलस्टॉप न **कॉमा** एक।
मौसी करतीं प्यार तमाम,
इन सबको मैं करूँ **प्रणाम**।
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ,
नाना-नानी जी के नाम।

–गोपीचंद श्रीनागर

संदेश: छुट्टियों में नाना-नानी के घर खूब मस्ती करते हैं।

शब्द-अर्थ

ऊधम	– हल्ला-गुल्ला, शोरगुल	**पकवान**	– व्यंजन	**ललाम**	– बढ़िया, अच्छा
तनिक	– ज़रा	**कथा**	– कहानी	**घाम**	– धूप
फुलस्टॉप	– पूर्ण विराम (पूरा रुकना)	**प्रणाम**	– नमस्कार	**पीत**	– पीले रंग का
गपशप	– मन बहलाने वाली बातें	**कॉमा**	– अल्प विराम (थोड़ा रुकना)		

☞ **वाचन/श्रुतलेख–** ऊधम, घाम, छुट्टियाँ, कचौड़ी, ललाम, फुलस्टॉप, कॉमा, प्रणाम।

अभ्यास

कक्षा में स्मार्ट बोर्ड पर कॉरडोवा स्मार्ट क्लास सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस पाठ का अभ्यास-कार्य कराएँ।

पाठ से

मौखिक

सोचिए और बताइए–

(क) आपके नाना-नानी कहाँ रहते हैं और आप उनके घर कब जाते हैं?

(ख) जब आप अपने नाना-नानी के घर जाते हैं तो किस तरह मस्ती करते हैं?

Scanned with CamScanner

लिखित

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर कुछ शब्दों में लिखिए–**

   (क) किसके घर पर ज़रा-सी भी रोक-टोक नहीं होती? ....

   (ख) कौन-सी छुट्टियाँ नाना-नानी के नाम हैं? ....

   (ग) पकवान कौन बनाता है? ....

   (घ) कथा कौन सुनाता है? ....

2. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

   (क) नाना-नानी के घर पर मम्मी क्या करती हैं?

   (ख) नाना-नानी के घर क्या-क्या खाने को मिलता है?

   (ग) कविता में किस-किसको प्रणाम किया गया है?

पाठ से आगे

अंतर बताइए

- आपको अपने घर और नाना-नानी के घर में क्या-क्या अंतर दिखाई देते हैं?

आज-कल

- आपके नाना-नानी और मम्मी-पापा जब छोटे थे तो कौन-कौन-से खेल खेलते थे? उनमें से आप कौन-कौन-से खेल अब भी खेलते हैं? पता करके बताइए।

भाषा की दुनिया — लिंग, युग्म-शब्द, मात्रा से बने शब्द

1. स्त्री जाति या पुरुष जाति की पहचान कराने वाले शब्दों को **लिंग** कहते हैं; जैसे–
भाई (पुल्लिंग) – बहन (स्त्रीलिंग)

Scanned with CamScanner

अब आप दिए गए शब्दों के लिंग में ✓ निशान लगाइए–

नाना	–	स्त्रीलिंग	☐	पुल्लिंग	☐
नानी	–	स्त्रीलिंग	☐	पुल्लिंग	☐
मामा	–	स्त्रीलिंग	☐	पुल्लिंग	☐
मौसी	–	स्त्रीलिंग	☐	पुल्लिंग	☐
माँ	–	स्त्रीलिंग	☐	पुल्लिंग	☐

2. कुछ शब्दों का प्रयोग हम अकसर जोड़ों में ही करते हैं; जैसे– आलतू-फालतू।
इसी तरह दिए गए शब्दों के जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखिए–

गप – ....शप..........   हलका – ....

काम – ....   जैसे – ....

रोक – ....   उछलते – ....

धाम	शप
टोक	कूदते
तैसे	फुलका

3. दी गई मात्राओं से बने दो-दो शब्द कविता में से ढूँढ़कर लिखिए–

इ की मात्रा (ि) वाले शब्द – ....

ई की मात्रा (ी) वाले शब्द – ....

औ की मात्रा (ौ) वाले शब्द – ....

रचनात्मक

आओ कुछ नया करें

- अपने नाना-नानी या दादा-दादी के लिए एक सुंदर-सा ग्रीटिंग कार्ड बनाइए।
- अपने नाना-नानी के ऊपर एक अनुच्छेद लिखिए।
- एक चार्ट पेपर पर अपने नाना-नानी, दादा-दादी तथा मम्मी-पापा की तसवीर चिपकाइए और उनके नाम लिखकर अपने कमरे में लगाइए।

Scanned with CamScanner